उत्तराखंड ने पवलगढ़ कंज़र्वेशन रिज़र्व का नाम बदला

चर्चा में क्यों?

अयोध्या मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्रतिष्ठा से पहले, **रामनगर वन प्रभाग में 5,800 हेक्टेयर के पवलगढ़ कंज़र्वेशन रिज़र्व का नाम बदलकर सीताबनी कंज़र्वेशन रिज़र्व कर दिया गया है।**

मुख्य बिंदु:

अधिकारियों के अनुसार, **रिज़र्व के अंदर माता सीता को समर्पित एक प्राचीन मंदिर तथा महर्षि वाल्मिकि आश्रम है, कहा जाता है कि अयोध्या छोड़ने के बाद वह अपने बेटों लव और कुश के साथ यहीं रुकी थीं।**

- दोनों संरचनाओं का रखरखाव [भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण](#) द्वारा किया जा रहा है।

पवलगढ़ कंज़र्वेशन रिज़र्व (PCR)

- यह **पहाड़ी राज्य उत्तराखंड के नैनीताल ज़िले में स्थित है।** इसे दिसंबर, 2012 में एक कंज़र्वेशन रिज़र्व के रूप में नामित किया गया था।
- PCR का कुल क्षेत्रफल 58.25 वर्ग किमी. है जो रामनगर वन प्रभाग, रामनगर के सुंदर, विशाल और समृद्ध जंगलों में स्थित है।
- **यह रिज़र्व स्तनधारियों की 33 से अधिक प्रजातियों, पक्षियों की 365 प्रजातियों और वनस्पतियों की 400 से अधिक प्रजातियों का निवास स्थान है।**

नोट:

- वर्ष 2021 में, केंद्रीय वन राज्य मंत्री ने [कॉर्बेट नेशनल पार्क](#) की अपनी यात्रा के दौरान आगंतुक पुस्तिका में लिखा कि इस राष्ट्रीय उद्यान का नाम बदलकर रामगंगा राष्ट्रीय उद्यान कर देना चाहिये, **क्योंकि वन अधिकारियों के अनुसार कॉर्बेट का पहले रामगंगा नाम था।**
  - यह रिज़र्व **वर्ष 1936 में अस्तित्व में आया और संयुक्त प्रांत के पहले लेफ्टिनेंट गवर्नर गवर्नर के नाम पर इसका नाम हैली नेशनल पार्क रखा गया।**
  - इसे **दिसंबर 2012 में रिज़र्व के रूप में** अधिसूचित किया गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-renames-pawalgarh-conservation-reserve